



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 437]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 10, 1984/भाद्र 19, 1906

No. 437] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 10, 1984/BHADRA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

(कंपनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1984

आदेश

का० प्रा० 688(प्र).—कंपनी विधि बोर्ड का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि (i) वि सेन्ट्रा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (ii) दि ओल्डल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iii) गरुड़ इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iv) दि लारेंस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड, ये सभी चार कंपनियां कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन नियमित कंपनी हैं (v) दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (vi) दि ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड, जो इण्डियन कम्पनीज ऐक्ट, 1913 (1913 का 7) के अधीन नियमित कंपनी है (vii) दि जनरल इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड, जो इण्डियन कम्पनीज ऐक्ट, 1882 (1882 का 6) के अधीन नियमित कंपनी है (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त सात कंपनी कहा गया है) के मुख्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और इन कंपनियों द्वारा विधि के विनिधान के लिए नीति में समन्वय सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए और ऐसी कंपनियों के जिनमें उनके

द्वारा पहले से ही विधि विनिधान की गई है, दश प्रबंध के लिए नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए उक्त सात कंपनियों को एक कंपनी में समा-
मेलित कर दिया जाए;

और प्रस्तावित आदेश के प्रारूप की एक-एक प्रति उक्त प्रत्येक सात कंपनियों को भेजी गई थी और उनसे प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर कंपनी विधि बोर्ड द्वारा सम्यक रूप से विचार कर लिया गया है;

अतः कंपनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं० 443 (प्र), तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 398 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त सात कंपनियों को एक कंपनी में समामेलन का उपबन्ध करने के लिए निम्न-
लिखित आदेश करता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इस आदेश का संक्षिप्त नाम (i) वि सेन्ट्रा इन्वेस्ट-
मेंट्स कंपनी लिमिटेड (ii) दि ओल्डल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iii) दि गरुड़ इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iv) दि लारेंस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड (v) दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (vi) दि ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड, और (vii) दि जनरल इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड (समामेलन) आदेश, 1984 है।

2. परिभाषाएँ :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिस तारीख को यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है ;
- (ख) "विघटित कम्पनी" से अभिप्रेत है (i) दि सेन्टा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (ii) दि ओम्बल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iii) दि गरुड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड (iv) दि लारेंस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड (v) दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड, और (vi) दि जनरल इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड ;
- (ग) "नवगठित कम्पनी" से ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड अभिप्रेत है ।

3. कंपनियों का सम्मेलन :—

- (i) नियत दिन को और से, विघटित कंपनियों के उपक्रम, उनके विरलगत, यदि कोई हो, के अधीन रहते हुए, ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड को अन्तर्गत और उसमें निहित हो जाएंगे और यह कंपनी, ऐसे अन्तरण पर तुरन्त ऐसे सम्मेलन से नवगठित कंपनी समझी जाएगी ।
- (ii) लेखा प्रयोजनों के लिए सम्मेलन, उक्त सातों कंपनियों के 31 मार्च, 1982 को विद्यमान लेखा परीक्षित लेखाओं और तुलनपत्रों के प्रतिनिवेश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् किए गए संव्यवहारों को एक सामान्य लेखा में प्लित किया जाएगा । विघटित कंपनियों से किसी पश्चात्कर्तों तारीख को यथाविद्यमान अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और नवगठित कंपनी 31 मार्च, 1982 को यथा-विद्यमान तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तिधियों और दायित्वों को ग्रहण कर लेगी और उसके पश्चात् हुए सभी संव्यवहारों का पूरा उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी ।

स्पष्टीकरण :—इस आदेश के प्रयोजनों के लिए "विघटित कंपनियों के उपक्रम" के अन्तर्गत सभी अधिकार, शक्तियाँ, प्राधिकार और विशेषाधिकार तथा सभी जंगम या स्थावर सम्पत्ति हैं जिनके अन्तर्गत नकद प्रतिशेष, आरक्षितियाँ भ्रामदनी प्रतिशेष विनिधान तथा ऐसी सम्पत्ति में या उससे उत्पन्न होने वाले सभी अन्य हित और अधिकार हैं जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनियों के हैं या उनके कब्जे में हैं और उनसे संबंधित सभी बहियाँ, लेखे और दस्तावेज हैं और विघटित कम्पनियों के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व, शुल्क और बाध्यताएँ भी हैं चाहे वे किसी भी प्रकार की हों ।

4. सम्पत्ति को कुछ सदों का अन्तरण :—इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को विघटित कंपनियों के सभी लाभ या हानियाँ या दोनों यदि कोई हों, जब नवगठित कंपनी को अन्तर्गत की जाएं नवगठित कंपनी के यथास्थिति, लाभ या हानि तथा भ्रामदनी आरक्षितियाँ या कमी का भाग बन जाएंगी ।

5. शेयर विनिमय अनुपात :—नवगठित कंपनी और विघटित कंपनियों की पूंजी संरचना निम्नलिखित हैं :—

कंपनी का नाम	शेयरों की किस्म	प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य रु०	प्राधिकृत शेयर पूंजी (शेयरों की संख्या)	जारी की गई और अभिलक्षित शेयर पूंजी (शेयरों की संख्या)
1	2	3	4	5
ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड	5% (कराघेय) संचित अधिमानी साधारण	100	25,000	25,000
		10	1750,000	768,900

1	2	3	4	5
दि सेन्टा इन्वेस्टमेंट्स क० लि०	साधारण	10	150,000	128,400
दि ओम्बल इन्वेस्टमेंट्स क० लि०	6 1/2 % संचित अधिमानी साधारण	100	4,000	2,000
		10	110,000	75,000
गरुड इन्वेस्टमेंट क० लि०	साधारण	10	80,000	80,000
दि लारेंस इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रापर्टी क० लि०	7% संचित "क" अधिमानी 5 1/2% संचित "ख" अधिमानी साधारण	100	5,000	5,000
		100	10,000	10,000
दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट क० लि०	साधारण	100	28,000	28,000
दि जनरल इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रस्ट क० लि०	साधारण	10	100,000	90,000
	5% पहला	100	1,000	1,000
इन्वेस्टमेंट एंड ट्रस्ट क० लि०	संचित अधिमानी 6% दूसरा	100	2,000	1,000
	संचित अधिमानी साधारण	100	9,000	3,000
			(आहत पर 75 रुपये)	

सम्मेलन के परिणामस्वरूप विघटित कंपनियों के शेयरधारक को निम्न-लिखित रीति से नवगठित कंपनी में शेयर आबंटित किए जाएंगे । विघटित कंपनियों और नवगठित कंपनी के अन्तःकंपनी विनिधान रहूँ हो जाएंगे ।

विघटित कंपनी	विघटित कंपनी के 100 साधारण शेयरों के लिए जारी किए जाने वाले नवगठित कंपनी के साधारण शेयरों की संख्या
--------------	---

दि सेन्टा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड	115
दि ओम्बल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लि०	138
गरुड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लि०	253
दि लारेंस इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड	5
बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड	71
दि जनरल इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड	1

ओम्बल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड, दि लारेंस इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड और दि जनरल इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड के अधिमानी शेयर धारकों को विघटित कंपनियों के विभिन्न वर्णन के एक अधिमानी शेयर के लिए नवगठित कंपनी द्वारा एक 5 % संचित अधिमानी शेयर आबंटित किया जाएगा ।

विघटित कंपनियों के शेयरधारकों को नवगठित कंपनी द्वारा जारी किए गए शेयरों से उत्पन्न होने वाले भिन्नात्मक धारण के मामले में, ऐसे शेयरधारक अपने विकल्प पर भिन्नात्मक धारण को अपने बीच

पूर्ण संख्या में समेकित करने की व्यवस्था कर सकेंगे और नियत दिन के 3 मास के भीतर नवगठित कंपनी को एक या एक से अधिक व्यक्तियों के भीतर नवगठित कंपनी को एक या एक से अधिक व्यक्तियों को शेयर जारी करने के लिए आवेदन करेंगे। पूर्वोक्त रूप में विकल्प का प्रयोग न किए जाने की दशा में भिन्नात्मक धारण को नवगठित कंपनी के निदेशक बोर्ड द्वारा समेकित किया जायगा ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) को तथा ऐसे प्रतिफल के लिए, जैसा वह उचित समझे, आवंटित किए जाएंगे। इस प्रकार प्राप्त धन को विघटित कंपनियों को संबंधित शेयरधारकों को उनके भिन्नात्मक धारण के अनुपात में मदत किया जाएगा।

नवगठित कंपनी, ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिसका नाम नियत दिन के ठीक पहले विघटित कंपनियों के रजिस्टर में है, उसको शेयरों के आबंटन के बारे में विधिष्ठित देने हुए एक सूचना और ऐसे शेयरों के लिए आबंटन पत्र रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जाएगा।

नवगठित कंपनी द्वारा कम से कम दो समाचारपत्रों में (जिनमें से एक क्षेत्रीय भाषा में होगा) एक ऐसी सूचना भी प्रकाशित की जाएगी जिसमें विघटित कंपनियों के शेयरधारकों को सूचनाओं के भेजे जाने के बारे में अधिसूचित किया गया हो।

6. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति:—इस आदेश में अन्तर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं, विलेख, बंधपत्र, करार और अन्य लिखतें, चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनियों एक पक्षकार हैं और जो नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावी शील थी, नवगठित कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बलशील और प्रभावशील होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानों विघटित कंपनियों के बजाय नवगठित कंपनी उनको एक पक्षकार थी।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति:—यदि नियत दिन को विघटित कंपनियों द्वारा या उनके विरुद्ध कोई दावा, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही खंबित है तो विघटित कंपनियों के उपक्रमों का नवगठित कंपनी को अंतरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अन्तर्विष्ट किसी बात के कारण, उनका उपशमन नहीं होगा या उन्हें बन्ध नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार उन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु दावा, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही, नवगठित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी सीमा तक जारी रखी जा सकेगी, अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकेगी जिस रीति से और जिस सीमा तक वह, इस आदेश के न किए जाने की दशा में उन विघटित कंपनियों द्वारा या उनके विरुद्ध जारी रखी जाती, अभियोजित और प्रवर्तित की जाती या जारी रखी जा सकती थी, अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकती थी।

8. कराधान की बाबत उपबंध:—नियत दिन के पूर्व विघटित कंपनियों द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिसके अन्तर्गत संश्लिष्ट लाभियां और अनामिलित अवधायण भी हैं) की बाबत सभी कर नवगठित-कंपनी द्वारा उसी सीमा तक संवेद्य होंगे जिस सीमा तक वे इस आदेश के न किए जाने की दशा में उन विघटित कंपनियों द्वारा संवेद्य होते।

9. विघटित कंपनियों के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध:—विघटित कंपनियों में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिनके अन्तर्गत विघटित कंपनियों के निदेशक नहीं हैं), नियत दिन से ही, नवगठित कंपनी के यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बन जाएगा, और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा वैसी ही सेवावृत्ति पर और वैसे ही निबंधनों और शर्तों पर तथा वैसे ही अधिकारों के और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जैसा वह, इस आदेश के न किए जाने की दशा में, उन विघटित कंपनियों के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा

जब तक नवगठित कंपनी में उसका नियोजन सम्यक रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

10. निदेशकों की स्थिति:—विघटित कंपनियों का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस हैमियत में पद धारण कर रहा था, नियत दिन को विघटित कंपनियों का निदेशक नहीं रहेगा।

11 (i) दि सेन्ट्रा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(ii) दि ओन्डल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(iii) दि गरुड़ इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(iv) दि लारेंस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड

(v) दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लि.

(vi) दि जनरल इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड का विघटन।

इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से--

(i) दि सेन्ट्रा इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(ii) दि ओन्डल इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(iii) दि गरुड़ इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लिमिटेड

(iv) दि लारेंस इन्वेस्टमेंट्स एण्ड प्रापर्टी कंपनी लिमिटेड

(v) दि बर्ड्स ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट्स कंपनी लि.

(vi) दि जनरल इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड का विघटन हो, जाएगा और कोई भी व्यक्ति उन विघटित कंपनियों के विरुद्ध अथवा उनके किसी निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध उसके इस प्रकार निदेशक या अधिकारी की हैमियत में वहां तक के भिन्न जहां तक इस आदेश के उपबंधों की प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो, कोई दावा, मांग या कार्यवाही नहीं करेगा।

12. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आवेश का रजिस्ट्रीकरण:—कंपनी विधि बोर्ड, इस आवेश के राजपत्र में अधिसूचित होने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता को इस आदेश को एक प्रति भेजेगा और उसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता नवगठित कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय कर दिए जाने पर आदेश को रजिस्टर में दर्ज करेगा और इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से एक मास के भीतर उस रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता विघटित कंपनियों से संबंधित उसके पास सभी रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल की गई दस्तावेजों, मैसर्स ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड जिसके साथ विघटित कंपनियों का समामेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा, और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों की फाइल में रखेगा।

13. नवगठित कंपनी के संगम शापन और संगम अनुच्छेद:—ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के संगम शापन और संगम अनुच्छेद, जैसे कि वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही, नवगठित कंपनी के संगम शापन और संगम अनुच्छेद हो जायेंगे।

[सं० 24/3/80-सी० एल०-III]

कंपनी विधि बोर्ड के आदेश से,

एम०एम० डूगर,

सदस्य, कंपनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 4th September, 1984

ORDER

S.O. 688(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that for the purpose of securing the principal objects of (i) the Sendra Investments Company Limited, (iii) Garuda Investments Company Limited, (iv) The Lawrence Investment and Property Company Ltd., all the four Companies incorporated under the Companies Act, 1956, (1 of 56), (v) the Birds Trading and Investments Company Limited, (vi) the Eastern Investments Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) (vii) the General Investment and Trust Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1882 (6 of 1882) (hereinafter referred to as the said Seven companies) and for the purpose of ensuring co-ordination in policy for investment of funds by these companies and for securing control for efficient management of the companies in which funds have already been invested by them, it is essential in the public interest that the said Seven companies amalgamated into a single company;

And whereas, a copy of the proposed Order was sent in draft form to each of the said seven companies and the suggestions and objections received from them have been duly considered by the Company Law Board;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs, No. GSR 443(E) dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Orders to provide for the amalgamation of the said seven Companies into a single Company, namely :—

1. Short title.—This Order may be called the (i) the Sendra Investments Company Limited, (ii) the Ondal Investments Company Limited, (iii) the Garuda Investments Company Limited, (iv) the Lawrence Investment and Property Company Limited, (v) the Birds Trading and Investments Company Limited, (vi) the Eastern Investments Limited and (vii) The General Investment and Trust Company Limited (Amalgamation) Order, 1984.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires :—

- (a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette ;
- (b) "dissolved Companies" means the (i) the Sendra Investments Company Limited, (ii) the Ondal Investments Company Limited, (iii) the Garuda Investments Company Limited, (iv) the Lawrence Investment and Property Company Limited, (v) the Birds Trading and Investments Company Limited and (vi) the General Investment and Trust Company Limited;

(c) "resulting company" means the Eastern Investments Limited.

3. Amalgamation of the Companies:—

- (i) On and from the appointed day, the undertakings of the dissolved Companies, subject to encumbrances thereof, if any, shall stand transferred to and vest in the Eastern Investments Limited, which company shall, immediately on such transfer, be deemed to be the company resulting from the amalgamation.
- (ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance-sheets as on the 31st March, 1982 of the said seven companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved companies shall not be required to prepare their final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance-sheet as on the 31st March, 1982 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation:—For the purposes of this Order "the undertakings of the dissolved companies" shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved companies immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved companies.

4. Transfer of certain Items of Property.—For the purpose of this order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved companies as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved companies, when transferred to the, resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

5. Share exchange ratio.—Capital structure of the resulting company and the dissolved Companies are as follows:—

Name of Company	Type of shares	Face Value of each shares Rs.	Authorised share capital (No. of shares)	Issued and subscribed capital (No. of shares)
1	2	3	4	5
Eastern Investments Co. Ltd.	5% (taxable) cumulative preference —Ordinary	100 10	25,000 1750,000	25,000 768,900

1	2	3	4	5
The Sendra Investments Co. Ltd.	—Ordinary	10	150,000	128,400
The Ondal Investments Co. Ltd.	6-1/2% cumulative preference	100	4,000	2,000
Garuda Investments Co. Ltd.	—Ordinary	10	110,000	75,000
The Lawrence Investment and Property Co. Ltd.	—Ordinary	10	80,000	80,000
	7% cumulative 'A' preference	100	5,000	5,000
	5-1/2% cumulative 'B' preference	100	10,000	10,000
	—Ordinary	100	28,000	28,000
The Birds Trading and investments Co. Ltd.	—Ordinary	10	100,000	90,000
The General Investments & Trust Co. Ltd.	5% 1st cumulative preference	100	1,000	1,000
	6% 2nd cumulative preference	100	2,000	1,000
	—Ordinary	100	9,000	3,000 (Rs. 75/- called up)

As a consequence of the amalgamation, the shareholders of the dissolved companies will be allotted shares in the resulting company in the following manner. The intra-company investments of the dissolved companies and resulting company shall stand cancelled.

Dissolved company	No. of ordinary shares of the resulting company to be issued against 100 ordinary shares of the dissolved company
The Sendra Investments company Limited.	115
The Ondal Investments Company Ltd.	138
Garuda Investments Company Ltd.	253
The Lawrence Investment and Property company Limited.	5
Birds Trading and Investments Company Limited.	71
The General Investment and Trust Company Limited.	1

The preference share holders of the Ondal Investments Company Limited, the Lawrence Investment and Property Company Limited, and the General Investment and Trust Company Limited will be allotted one 5% cumulative preference share by the resulting company against one preference share of various descriptions of the dissolved companies.

In the case of fractional holding arising out of issue of shares of the resulting company to the shareholders of the dissolved companies, such shareholders may at their option arrange to consolidate the fractional holding amongst themselves to whole number and within 3 months of the appointed day shall apply to the resulting company for issue of shares to one or more of them. In the event of non-exercise of the option, as aforesaid, the fractional holding shall be consolidated by the Board of Directors of the resulting company and be allotted to such person (s) and for such consideration as it may deem fit. The monies so realised shall be paid to the concerned shareholders of the dissolved companies in proportion to their fractional holding.

The resulting company shall send by Registered post acknowledgement due to every person whose name appears immediately before the appointed day in the Register of Members of the dissolved companies, a notice giving particulars as to the allotment of shares to him and an allotment letter for such shares. A notice shall also be published by the resulting company in at least 2 Newspapers (one of which shall be in the Regional Language) notifying the despatch of the notices to the shareholders of the dissolved companies.

6. Saving of contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved companies are a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved companies, the resulting company had been a party thereto.

7. Saving of legal proceedings.—If, on the appointed day any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved companies be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertakings of the dissolved companies or of anything contained in this order; but the suit, prosecution, appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved companies if this order had not been made.

8. Provisions with respect to taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved companies before the appointed day shall be payable by the resulting company to the same extent as they would have been payable by the dissolved company if this Order had not been made.

9. Provisions respecting existing officers and other Employees of the dissolved companies.—Every whole-time Officer or other employees (excluding the Directors of the dissolved companies) employed immediately before the appointed day in the

dissolved companies, shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the same may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved companies if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Positions of directors:—Every director of the dissolved Companies holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved companies on the appointed day.

11. Dissolution of the—

- (i) The Sendra Investments Company Ltd.
- (ii) The Ondal Investments Company Ltd.
- (iii) The Garuda Investments Company Ltd.
- (iv) The Lawrence Investment and Property company Ltd.
- (v) The Birds Trading and Investments Company Ltd.
- (vi) The General Investment and Trust Company Ltd.

Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, (i) The Sendra Investments Company Limited, (ii) The Ondal Investments Company Ltd., (iii) Garuda Investments Company Ltd., (iv) The Lawrence Investment and Property Company Ltd., (v) Birds Trading and Investments Company Ltd. (vi) The General Investment and Trust

Company Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims demands or proceedings against the dissolved companies or against a director or an officer thereof in his capacity as such directors or officers, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

12. Registration of the Order by the Registrar of Companies.—The Company Law Board shall, as soon as may be after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Calcutta, a copy of the Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Calcutta, shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Calcutta shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved companies on the file of M/s. Eastern Investments Limited with whom the dissolved companies have been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on the file.

13. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and Articles of Association of the Eastern Investments Limited, as they stood immediately before the appointed day shall as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

By Order of the Company Law Board,

[No. 24-35/80-CL. III]

S. M. DUGAR, Member, Company Law Board